राजधानी से प्रकाशित RNI NO. UPHIN/2010/33668

अंदाज-ए-लखनऊ

हिन्दी साप्ताहिक

वर्ष—10 अंक—6 लखनऊ,बुधवार 12 अगस्त 2020 पृष्ठ : 8 मूल्य—1.00 रूपया

मां की सिफारिश राहत इंदौरी को मिला था पहला मुशायरा

इंदौर। जीवन में कई ऐसे पल होते हैं जिनके बारे में दिल और खुदा के सिवाय सिर्फ वही जानता है जिसका रिश्ता उन पलों से रहा हो। ये पल कभी तो अकेले में मुस्कराने की वजह दे जाते हैं तो कभी महफिल में भी गमों का सैलाब छोड़ जाते हैं। राहत इंदौरी के जीवन की किताब के पन्नों पर ऐसे अनेक रंग थे जिन्हें उन्होंने कभी छुपाया तो कभी अपनों से बयां किया। जिन्हें अपनों से उन्होंने बयां किया, उन्हीं पलों को उनकी ही जुबानी हम आप तक पहुंचा रहे हैं। पेश है राहत इंदौर पर लिखी किताब के कुछ अंश..

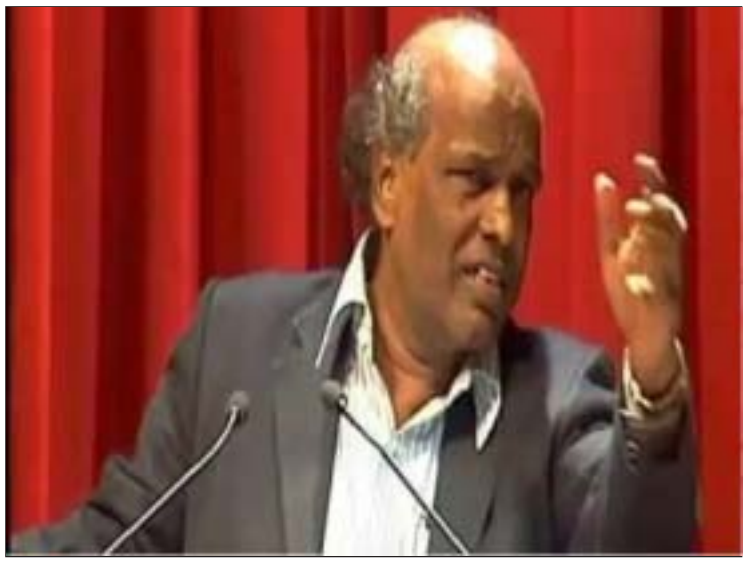

मां को मैं पसंद था, लेकिन उन्हें मेरा शायरी करना पसंद नहीं था। असल में उन्हें शायरी ही पसंद नहीं थी। फिर भी उन्होंने ही मुझे पहला मुशायरा दिलवाया। बात देवास, मध्य प्रदेश की है। उन दिनों वहां हिंद मुशायरा होता था। उसमें देश के नामी शायर तशरीफ ला रहे थे।

उस मुशायरे के आयोजक मेरे मामूं अब्दुल हकीम हनफी थे। वह देवास नगर निगम में ही थे और मुशायरा नगर निगम ही करा रहा था। मां से मैंने कहा कि यदि आप मामूं से मेरे मुशायरे में जाने की सिफारिश कर देंगी तो वह आपकी बात टालेंगे नहीं और मुझे मौका मिल जाएगा। मैं मां की कमजोरी था और वह मेरी बात टाल न सकीं। उन्होंने मामूं से मेरी सिफारिश की और मुझे मौका मिल गया। शायरी की दुनिया में मेरा सफर नूर इंदौरी के जिक्र के बिना अधूरा है। नूर इंदौरी से मेरी पहली मुलाकात उन दिनों हुई, जब मैं देवास में नाकामयाब हो रहा था। सालों तक मैं मुशायरा नहीं पढ़ सका। केसर साहब के साथ मेरी मित्रता थी और उनके पास इंदौर के तकरीबन सभी शायर आते थे। वहीं मेरी मुलाकात नूर इंदौरी से हुई। भुसावल में मुशायरा था और मैं भी वहां मुशायरा पढ़ने गया। मैं तरन्नुम में पढ़ता था।

महशूर शायर राहत इंदौरी के निधन से साहित्य जगत में शोक की लहर है। राहत इंदौरी को याद करते हुए शायर शकील जमाली ने कहा कि मुशायरे की दुनिया के बड़े नामों में राहत साहब का सर्वोच्च स्थान है। इनका निधन मुशायरे की दुनिया की बड़ी क्षति है। राहत इंदौरी के साथ बिताए समय को याद करते हुए शकील जमाली ने बताया कि लॉकडाउन से पहले फरवरी में उन्होंने राहत भाई के घर पर खाना खाया था। इंदौर में एक मुशायरे के दौरान उन्होंने मुझे अपने घर ले गए और कहा कि रात में साथ बैठकर खाना खाएंगे। वह इंदौर से जब दिल्ली आने लगे तो ट्रेन तक उन्होंने छोड़वाया। यही समय राहत इंदौरी के साथ आखिरी रहा। शकील ने बताया कि राहत साहब बड़े जिंदादिल इनसान थे। वह कभी भी यात्रा के दौरान अपने से छोटे दोस्तों को खर्च नहीं करने देते थे। यह उनकी सबसे बड़ी क्वालिटी थी। वह कहते थे सबसे बड़े हैं इसलिए वही खर्च करेंगे। राहत इंदौरी के मन में कभी भी किसी के लिए मैल नहीं था। वह कभी भी किसी का अहित नहीं चाहते थे। शायर शकील ने बताया कि दिल्ली में जब भी राहत इंदौरी को बुलाया जाता था वह सारे काम छोड़कर आ जाते थे। वह दिल्ली के लोगों से बहुत प्यार करते थे। मार्च में राहत जी का फोन आया अगर कोई बात हो गई तो मुझे माफ कर देना। तो मैने कहा कि आप ऐसी बातें क्यों कर रहे हैं राहत भाई। वह अपनी गलती को तुरंत मान लेते थे।

चाय वाले की बेटी ने हासिल की थी 4 करोड़ की स्कॉलरशिप

नोएडा। 4 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप लेकर चर्चा में रही सुदीक्षा भाटी की सड़क हादसे में मौत के बाद अब नई-नई बातें सामने आ रही हैं। जहां एक ओर सुदीक्षा के पिता जितेंद्र भाटी ने पुलिस पर गंभीर और संगीन आरोप लगाए हैं, तो वहीं यह बात भी सामने आ रही है कि सुदीक्षा जिसकी बाइक से घर लौट रही थी, उसे चलाने वाला नाबालिग था। यह आरोप बुलंदशहर पुलिस का है। वहीं, बुलंदशहर के डीएम रविंद्र कुमार के मुताबिक, ये दुर्घटना का मामला है और बाइक सुदीक्षा का चचेरा नाबालिग भाई

निगम चला रहा था और उन्होंने हेलमेट भी नहीं पहना था। यह कहा गया है कि अनियंत्रित बाइक लड़का संभाल नहीं पाया और आगे खड़ी बाइक से टक्कर हो गई। इसके बाद सुदीक्षा बाइक से गिरने से सुदीक्षा के सिर में चोट लगी। सूचना पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई। पिता जितेंद्र भाटी का कहना है कि गाड़ी सुदीक्षा का चाचा चला रहा था। पिता ने मांग की है कि पुलिस ढंग से जांच करे जिससे आरोपित पकड़े जाएं और भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो।

देशभर के छोटे उद्यमियों को बड़ी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, देश के किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में लघु एवं मध्यम श्रेणी के उद्यमियों को अब एन्वायरमेंटल डेटा डिस्प्ले बोर्ड नहीं लगाना पड़ेगा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने इस बाबत लिखित आदेश निकालकर उन्हें इससे छूट दे दी है। हालांकि बड़ी औद्योगिक इकाइयों के लिए यह बोर्ड लगाने और उसको सीपीसीबी के सर्वर से ऑनलाइन जोड़ने की अनिवार्यता बनी रहेगी। दिल्ली में 32 अधिकृत औद्योगिक क्षेत्र हैं और इनमें लघु, मध्यम एवं बड़े स्तर की करीब एक लाख औद्योगिक इकाइयां चल रही हैं। इनमें से करीब 10 हजार ऐसी इकाइयां हैं, जिनसे खतरनाक प्रदूषक तत्व निकलते हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने गत 16 मार्च 2020 को एक फरमान जारी कर ऐसे तमाम उद्यमियों के लिए एन्वायरमेंटल डेटा डिस्प्ले बोर्ड लगाना अनिवार्य कर दिया था। बताया जा रहा है कि इस बोर्ड को लगाने का खर्च आठ से दस हजार है, लेकिन डीपीसीसी और सीपीसीबी के सर्वर से ऑनलाइन जोड़ने पर यह खर्च आठ से 10 लाख हो जाता है। डीपीसीसी के इस फरमान पर उद्यमियों में तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी।

अब नई शिक्षा नीति को सही से लागू करने की दरकार

नई शिक्षा नीति को सही ढंग से लागू करने से भारतीय शिक्षा में पिछली दो शताब्दियों से व्याप्त मैकालेकरण का अंत हो जाएगा। मोदी सरकार द्वारा स्वीकृत राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक ऐतिहासिक कदम है और यह न केवल भारत की शिक्षा प्रणाली बल्कि भारत के भविष्य को भी परिवर्तित कर देगी। शिक्षा नीति में साहसिक और परिवर्तनकारी बदलावों की सिफारिश की गई है। इसका एक अर्थ यह भी है कि जिन लोगों को इस शिक्षा नीति को लागू करने का काम करना है, उन्हें सिफारिश के पीछे की सोच और इसके तर्क को समझना चाहिए। तभी इसका क्रियान्वयन सही होगा, अन्यथा एक दोषपूर्ण क्रियान्वयन एक महान नीति को बर्बाद कर देगा।

कितने लोग जानते हैं कि स्कूल शिक्षा में फाउंडेशन और प्रीपेरेटरी शब्दों का इस्तेमाल क्यों किया गया है। हम अन्वेषण और अनुभव आधारित शिक्षा के बारे में क्या सोचते थे, हम नए उपकरणों आदि के बारे में क्यों बात कर रहे हैं? यह सब और कई अन्य विचार शिक्षा नीति के दस्तावेजों में विस्तृत रूप से नहीं हो सकते थे, क्योंकि शिक्षा नीति के दस्तावेजों का लक्ष्य दिशा देना और उसे समझाना है। शेष क्रियान्वयन की योजना में है।

बेटियों का पैतृक संपत्ति पर बराबरी का हक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि पैतृक संपत्ति में बेटियों का जन्मजात अधिकार होता है। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, एस अब्दुल नजीर और एमआर शाह की पीठ ने कहा कि बेटियां 1956 से ही पिता की पैतृक संपत्ति में बराबर की हिस्सेदार हैं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि ह उत्तराधिकार कानून, 1956 में कानून में संशोधन के समय पिता जीवित थे या नहीं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि 9 सितंबर, 2005 को पिता जिंदा थे या नहीं, बेटी का जन्म भी इस तारीख से

पहले हुआ या बाद में, इसका पुश्तैनी संपत्ति में अधिकार से कोई लेना-देना नहीं है। बेंच ने कहा कि जिस तरह पैतृक संपत्ति में बेटों का अधिकार होता है, उसी तरह बेटियों का भी जन्मजात अधिकार है। बता दें कि 9 सितंबर, 2005 को हिंदू उत्तराधिकार (संसोधन) कानून, 2005 लागू हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू अविभाजित परिवार में बेटियों के पैतृक संपत्ति पर हक के कानून पेंच से संबंधित व्यवस्था स्पष्ट करते हुए यह फैसला सुनाया है।

हुनरमंद बन युवा सपनों को करेंगे साकार

रायबरेली.शिक्षा के साथ हुनर हो तो राहें आसान हो जाती हैं। प्रदेश हो या फिर केंद्र सरकार। लगातार युवाओं को हुनरमंद बनाने के लिए नई-नई योजनाएं ला रही है। कुछ इसी मंशा से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में युवक-युवतियों को अलग-अलग ट्रेड में प्रशिक्षित किया जाता है। बाद में कैंपस सेलेक्शन के माध्यम से कंपनियों में जाने का मौका भी मिलता है। इस बार भी चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिले में करीब दो हजार सीटों पर प्रशिक्षण के लिए आवेदन मांगें जा रहे हैं।

श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर की भगवान की आराधना

रायबरेली .भाद्र माह के पहले रविवार को हजारों की संख्या श्रद्धालुओं ने कस्बे के गंगा घाटों पर स्नान किया। उसके बाद घाटों पर स्थित विभिन्न देवी देवताओं का पूजन अर्चन किया। रानी शिवाला, पक्का, संकटमोचन, महावीरन व मठ आदि घाटों में गंगा स्नान कर भगवान भास्कर को अ ?र्घ्य दिया। स्नान के बाद तीर्थ पुरोहितों को अन्न, द्रव्य व वस्त्र दान देकर अपने परिवार की उन्नति के लिए कामना की। इस दौरान नगर पंचायत की ओर से सभी घाटों पर बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए सुरक्षा के लिए नाविक व गोताखोर तैनात किए गए थे। नगर पंचायत अध्यक्ष बृजेश दत्त गौड़ ने बताया कि भादौ माह के

रविवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान करने विभिन्न घाटों पर आते हैं। श्रद्धालुओं को स्नान के दौरान कोई समस्या न हो इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। बड़ा मठ के महामंडलेश्वर स्वामी देवेंद्रानंद गिरि ने कहा कि भाद्र माह के रविवार के दिन गंगा स्नान कर भगवान भास्कर की पूजा करने व गरीबों को दान देने से असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है। भगवान सूर्य की पूजा करने से साधक पर उनकी कृपा प्राप्त होती है।

आबादी की तरफ बढ़ रहा गंगा पानी

रायबरेली.गंगा नदी का जलस्तर रफ्तार पकड़े हुए है। 24 घंटे के अंदर ही 190 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया। गंगा से जुड़ी नदी और नाले ओवरफ्लो हो चुके हैं। इनके रास्ते उसका पानी गांवों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि, शनिवार तक कहीं किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं आई। लेकिन, जलस्तर ऐसे ही बढ़ता रहा तो वह दिन दूर नहीं, जब तटीय इलाके के गांव बाढ़ की चपेट में होंगे। जिस तरह गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है, वह तराई इलाकों में बसे जहांगीराबाद, चकमलिक भीटी, मोहद्दीनपुर समेत अन्य एक दर्जन गांवों के लिए आने वाले समय में खतरा बन सकता है।

धान में लगा रोग, किसानों की बढ़ी चिता

रायबरेली.इस बार मौसम ने अन्नदाताओं का साथ दिया। समय से बरसात होने से धान की रोपाई हो गई। अब फसल तैयार हो रही है। लेकिन, धान में लगे रोग ने किसानों की चिता बढ़ा दी है। एकाएक पूरे खेतों में धान पीला पड़ रहा है। फसल बचाने को दवा का छिड़काव कर रहे हैं। फिर भी परेशानी कम नहीं हो रही है। जिले में करीब 90 हजार एकड़ में धान की रोपाई की गई है। कई वर्षों में पहली बार धान की रोपाई सही समय पर हो पाई। रोपाई के बाद अन्नदाताओं के सामने कई समस्याएं खड़ी हो गई। पहले खाद की मुसीबत से जूझना पड़ा। अब धान में

लगे रोग ने तो नींद उड़ा दी है। एक किसान के खेत में लगा रोग धीरे-धीरे आसपास के किसानों की फसलों को भी चपेट में ले रहा है। लहलहाती फसल देखते ही देखते पीली पड़ रही है।

भूमि के पट्टे के नाम पर गरीबों से उगाही का आरोप

रायबरेली.कोतवाली क्षेत्र के हमीदपुर बड़ागांव भिखनापुर में गरीबों से पट्टे के नाम पर अवैध वसूली का मामला प्रकाश में आया है। ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन दिया। साथ ही जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को भी इसकी प्रति भेजी है। एसडीएम कार्यालय पहुंचे ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की। आरोप लगाया कि गरीब भूमिहीन लोगों से पट्टे के नाम पर अवैध धन वसूली की जा रही है। शिवपाल यादव, लोकनाथ शुक्ल, रामसुख, कलऊ, धर्मेंद्र कुमार, पुष्पा

देवी, बदलू, मनोज कुमार, गोलू शुक्ल आदि लोगों से दस-दस हजार रुपये ऐंठे गए। खास बात यह है कि रुपये लेने के बाद भी इन लोगों को जमीन के पट्टे नहीं मिले। उधर, ग्राम प्रधान विजय सिंह ने बताया कि वसूली के आरोपों को निराधार बताया। कहा कि गांव के ही कुछ लोग ग्राम सभा की सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। यही लोग दबाव बनाने के लिए लोगों को उकसा रहे हैं। ताकि उनके खिलाफ अवैध कब्जे के मामले में कार्रवाई न हो। तहसीलदार अभिनव पाठक ने कहा कि जो लोग गरीबों से धन वसूली का कार्य कर रहेहैं, उनके खिलाफ जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

शहर कोतवाली में भी कोरोना ने रखे कदम, दारोगा मिला संक्रमित

रायबरेली . शहर से लेकर ब्लॉक स्तर तक पहले ही कोरोना फैल चुका था। पुलिस लाइंस और विकास भवन समेत कई सरकारी दफ्तरों में भी इसके मरीज मिले। लेकिन, शहर कोतवाली इससे बची रही। शनिवार को यहां भी इस जानलेवा वायरस ने अपनी आमद दर्ज करा दी है। इसके अलावा एक महिला की मौत भी हुई। शहर के ताड़तल्ला की रहने वाली 74 वर्षीय महिला को सांस की बीमारी थी। जिसके इलाज के लिए एक अगस्त को लखनऊ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कोरोना की जांच हुई तो वह संक्रमित मिली। शनिवार को इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। उधर, शहर

कोतवाली के एक उपनिरीक्षक समेत जिले में 29 अन्य नए केस सामने आए। इनमें पुलिस लाइंस में तैनात एक पुलिस कर्मी भी शामिल है। इसके अलावा शहर के गणेश नगर, महावीर नगर, अमर नगर में एक-एक पॉजिटिव मिला है। वहीं एनटीपीसी में भी वायरस अपने पैर फैलाते जा रहा है। यहां एक सीनियर मैनेजर, उनकी पत्नी और बेटी की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है।

मां की ममता पर भारी पड़ा ननिहाल का प्यार

रायबरेली.एक महिला ने अपने तीन साल के बेटे को मायके में छोड़ दिया था। 10 साल ननिहाल में बच्चे को खूब स्नेह और दुलार मिला। नतीजा उसका मन वहीं लग गया। हालांकि, पहले माता-पिता को भी इस पर ऐतराज नहीं था। मगर, किसी बात को लेकर खटपट हुई तो बेटे को लाने पहुंच गए। अब वह आने को तैयार नहीं। मामला खाकी के पास भी पहुंचा था, लेकिन कोई हल नहीं निकला। क्षेत्र के रोखा निवासी वसीम का निकाह करीब 15 साल पहले अमेठी जिले के मोहनगंज थाना क्षेत्र के आशापुर गांव की नसीमा से हुआ था। दोनों के दो बेटे हैं। इनमें बड़ा बेटा अल्फाज जब तीन साल का था, तभी नसीमा उसे अपने मायके में छोड़ आई थी। इसके पीछे उसके बुजुर्ग पिता शमीम अहमद (वसीम के ससुर) का अल्फाज के प्रति प्यार था। वसीम ने भी तब नसीमा का साथ दिया। जिसके बाद अल्फाज वहीं रहने और पढ़ने लगा। अब वह 13 साल का है। लेकिन, बेटे का भेजते वक्त दंपती को क्या पता था कि ननिहाल में मिला प्यार उनकी ममता पर भारी पड़ जाएगा। 10 साल तक अपनी नानी के यहां रहने वाला अल्फाज अब माता-पिता के साथ रहने को राजी नहीं है। जब बात न बनी तो वह पुलिस की चौखट पर पहुंचे। जिसके बाद पुलिस ने बच्चे के साथ उनके मामा और नानी को तलब कर लिया। पति-पत्नी ने यहां भी खूब प्रयास किए कि बेटे को मना लें, लेकिन सफल नहीं हुए।

सपने होंगे साकार, 180 का निश्शुल्क शिक्षा में चयन

रायबरेली .हर बच्चे को बेहतर शिक्षा मिले। इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से आरटीई (शिक्षा का अधिकार) कारगर साबित हो रहा है। अब तक हुए दो चरण की प्रक्रिया में जिले से 400 से अधिक बच्चों को चुना जा चुका है। अब उन्हें एडमीशन लेटर भी जारी किया जा रहा है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम में प्रत्येक निजी विद्यालय में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। इसके तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से जुड़े बच्चों को निश्शुल्क शिक्षा के लिए चयन होता है। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रक्रिया के तहत आवेदन कराया जाता है। पहले दो चरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। पहले चरण में 235 शहरी क्षेत्र, जबकि 135 ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में बच्चों का चयन किया गया। इसके बाद दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू हुई। इसमें 77 नगर क्षेत्र और 103 ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में बच्चों को चुना गया। जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता संजीव गुप्ता ने बताया कि बीएसए के निर्देश पर प्रवेश के लिए पत्र अभिभावकों को दिया जा रहा है। जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। तृतीय चरण के चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

एंबुलेंस में प्रसव, नवजात की मौत

रायबरेली.ऊंचाहार सीएचसी से जिला अस्पताल के लिए रेफर प्रसूता ने एम्बुलेंस में ही बच्चे को जन्म दिया। लेकिन समुचित इलाज के अभाव में बच्चे की मौत हो गई। जबकि प्रसूता की हालत गंभीर बनी है। मामले में परिजनों ने सीएचसी के डॉक्टरों की लापरवाही का आरोप लगाया है। कोतवाली क्षेत्र के गांव पूरे ननकू मजरे कैथवल के किसान की बेटी अपनी ससुराल पूरे मान थाना महाराजगंज से मायके में आकर रुकी हुई थी। शुक्रवार को प्रसव पीड़ा होने पर उसके माता-पिता और पति उसे लेकर सीएचसी पहुंचे। प्रसूता की यह पहली डिलीवरी थी।

कमला नेहरू ट्रस्ट की जमीन का हुआ सीमांकन

रायबरेली.शहर के सिविल लाइंस स्थित कमला नेहरू ट्रस्ट की जमीन का शनिवार को सीमांकन हुआ। इस दौरान खाकी भी मुस्तैद रही, ताकि कहीं कोई विवाद न होने पाए। गौरतलब है कि कमला नेहरू ट्रस्ट की जमीन पर कुछ लोगों का कब्जा है। इसका वाद न्यायालय में चल रहा था। जिसमें फैसला ट्रस्ट के हक में आया। जिसके बाद जिला प्रशासन की ओर से अब इस जमीन को कब्जेदारों से मुक्त कराया जाना है। बीते दिनों कब्जेदारों को नोटिस भी दिया गया था। जिसके बाद कब्जा करने वालों में खलबली मची हुई है। शनिवार को इन लोगों की धड़कनें उस वक्त और बढ़ गईं, जब सिटी मजिस्ट्रेट युगराज सिंह की अगुवाई में राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने संबंधित भूमि की नापजोख की। इस दौरान सीओ सिटी आरपी शाही भी शहर कोतवाल अतुल सिंह व उनकी टीम के साथ मौजूद रहे। सीओ ने बताया कि भूमि का सत्यापन होना था। इसीलिए टीम मौके पर गई थी।

सेंध काटकर मोबाइल की दुकान से सामान चोरी

रायबरेली.थाना क्षेत्र के पंडित का पुरवा मजरे बंडई गांव स्थित मोबाइल की दुकान से बुधवार की रात चोरों ने सेंध काटकर सामान पार कर दिया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। लालगंज कोतवाली के रेवारी पसिया खेड़ा गांव के अखिलेश सिंह की पंडित का पुरवा बाजार में मोबाइल की दुकान है। चोरों ने दुकान के पीछे से सेंध काटकर एक लैपटॉप, कैमरा, फोटोकॉपी मशीन, 40 लीड, 30 डाटा केबल, 50 चार्जर, 10 कीपैड मोबाइल समेत एक हजार रुपये पार कर दिए। सुबह जब दुकान खोली तो अंदर सामान बिखरा देख दंग रह गए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाल रावेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है, घटना की जांच करवाई जा रही है। शीघ्र राजफाश किया जाएगा।

कोरोना मरीज लखनऊ भेजने से पहले जांच लें कि बेड है कि नही

रायबरेली.बचत भवन में गुरुवार को जिलाधिकारी ने कोरोना संक्रमण पर प्रभावी रोकथाम के लिए अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें कोविड अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा की गई। साथ ही सुरक्षा नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराने पर भी जोर दिया गया। जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना ने निर्देश दिए कि एल-1 व एल-2 अस्पतालों में सुविधाओं को और अधिक बेहतर बनाया जाए। कोविड अस्पतालों में वेंटीलेटर की सुविधा पूरी तरह से दुरुस्त रहे। कोविड अस्पताल और होम क्वारंटाइन में रह रहे मरीजों से निरंतर संवाद बनाए रखें। उन्हें खानपान आदि में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सभी प्रभारी अधिकारी व नोडल अधिकारी अपने कार्यों को टीम भावना से युद्ध स्तर पर करें। शीर्ष प्राथमिकता वाले कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने कहा कि कोरोना मरीज से किसी भी प्रकार का अमानवीय व्यवहार न किया जाए। कोरोना मरीजों को एल-1 व एल-2 अस्पताल में भर्ती इसलिए किया जाता है ताकि उसका भली-भांति इलाज हो। वह पूरी तरह सुरक्षित रहे। स्वयं तथा उसका परिवार व अन्य लोग कोरोना की चपेट में न आएं। सोशल दूरी बनाकर कोरोना संक्रमण को रोकना है। दर्ज कराएं मुकदमा - डीएम ने कहा कि यदि कोई कोरोना मरीज जाने-अनजाने अस्पताल से भागने का प्रयास करता है या बाहर जाने की जिद करता है। स्वास्थ्य प्रोटोकाल का जानबूझकर उल्लंघन करता है तो ऐसे मरीज पर कोरोना आपदा प्रबंधन एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराकर दंडात्मक कार्रवाई में भी कोई गुरेज न करें।

शहर से लेकर गांव तक बिजली संकट

रायबरेली.जिले में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेपटरी हो गई है। शहर में जहां आए दिन लाइनों में खराबी बनी रहती है तो वहीं ग्रामीणअंचल में विभागीय उदासीनता उपभोक्ताओं पर भारी पड़ रही है। ट्रांसफार्मर फुंके या खंभा टूटकर गिर जाए, जिम्मेदार जल्दी उसकी सुधि नहीं लेते। गुरुवार को शहर के निराला नगर, शक्ति नगर, सत्य नगर, कल्लू का पुरवा समेत करीब दो दर्जन मुहल्लों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। यहां प्रगतिपुरम उपकेंद्र से बिजली पहुंचती हैं। इसी तरह इंदिरा नगर उपकेंद्र के क्षेत्र में आने वाले मनिका रोड और घोसियाना समेत दूसरे कई मुहल्लों में लोगों ने बिजली समस्या झेली। कुछ यही हाल दूसरे इलाकों का भी रहा। असल में विभाग सुधार के जितने दावे कर रहा है, उतना काम मौके पर नहीं हुआ।

गांव से लेकर शहर तक दिखी भूमिपूजन की खुशी, मनाया दीपोत्सव

रायबरेली.राममंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन होने की ऐतिहासिक घड़ी की खुशी गांव से लेकर शहर तक रही। शाम को लोगों ने घरों व धार्मिक स्थलों पर दीपोत्सव मनाया गया। पटाखे दगाकर व एक दूसरे को मुंह मीठा करके खुशियां बांटी। शहर के इंदिरा नगर, सत्यनगर, कैलाशपुरी, मलिकमऊ, जवाहर विहार, सर्वोदय नगर आदि मुहल्लों में उल्लास रहा। खीरों ब्लॉक क्षेत्र के पाहो स्थित नरपतेश्वर महादेव मंदिर में 1111 दीपक जलाए गए। लालगंज में गांधी चौराहे के निकट सुंदरकांड का संगीतमय पाठ का आयोजन किया गया। भगवान राम की प्रतिमा का पूजन करने के उपरांत भंडारे का भी आयोजन हुआ। रामभक्तों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर सुशील शुक्ला, शिव प्रकाश पांडेय, आशीष वाजपेयी, कैलाश वाजपेयी आदि मौजूद रहे। बाल्हेश्वर मंदिर परिसर में पं. झिलमिल जी महाराज की अगुवाई में दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। विहिप कार्यकर्ताओं ने वीरापासी चौक स्थित हनुमान मंदिर में दीप प्रज्वलित किए। प्रांतीय मंत्री रामगोपाल त्रिपाठी ने कहा कि पांच सौ वर्षों के अथक संघर्ष व बलिदानों के बाद हिंदू की मनोकामना पूरी हो सकी है। आधुनिक रेलडिब्बा कारखाना में भारतीय मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष आदर्श सिंह बघेल ने भूमि पूजन कार्यक्रम को राष्ट्रीय गौरव एवं राष्ट्रीय श्रद्धा केंद्र के रूप में बताया।

बिजली संग पानी को भी तरसे हजारों शहरवासी

रायबरेली - बिजली के सहारे पानी का भी इंतजाम करने वालों के लिए बुधवार की सुबह बेहद कष्टदायी रही। बारिश के कारण बत्ती रात में ही गुल हो गई थी। भोर हुई तो पानी का भी संकट खड़ा हो गया। उमस ने अलग परेशान किया। हजारों शहरवासी इसी समस्या से जूझते रहे। बारिश के कारण शहर में जगह-जगह बिजली की लाइनों में खराबी आ गई थी। अकेले तेलियाकोट उपकेंद्र के राजघाट फीडर के ही तीन ट्रांसफार्मर जल गए थे। इनमें दो कानपुर रोड पर राजघाट और राना नगर तो एक अमरेशपुरी कॉलोनी का ट्रांसफार्मर शामिल था। इसी तरह मनिका रोड पर लगा एक अन्य ट्रांसफार्मर भी बरसात के कारण खराब हो गया। इन ट्रांसफार्मरों से जुड़े इलाकों में देर रात करीब एक बजे से अंधेरा छाया रहा। लोगों को उम्मीद थी कि सुबह तक बिजली आ जाएगी। लेकिन, दोपहर दो बजे तक भी आपूर्ति व्यवस्था पटरी पर नहीं आ सकी। उधर, बिजली के साथ पानी का भी संकट घरों में खड़ा हो गया था। क्योंकि, ज्यादातर लोगों ने अपने घरों में सबमर्सिबल पंप लगवा रखा है। बिजली न मिलने के कारण ये पंप महज शो-पीस बनकर रह गए। इसके अलावा अन्य इलाकों में छिटपुट लोकल फाल्ट के कारण जो बिजली आपूर्ति बाधित रही वह अलग।

दिनभर छाए रहे बादल, हुई बूंदाबांदी

रायबरेली.गुरुवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। जिसे देख किसान बारिश होने की आस लगाए रहे। लेकिन, शाम तक उन्हें निराश होना पड़ा। वहीं उमस से आम-ओ-खास सभी बेहाल रहे। दोहपर के बाद बूंदाबांदी शुरू हुई। जिससे लोगों ने तेज बारिश होने का अनुमान लगाया। मगर,देखते ही देखते आसमान साफ हो गया। बारिश का सबसे ज्यादा किसानों को इंतजार रहा। धान रोपाई के बाद पानी न मिलने से फसलें सूख रही थी। मंगलवार की रात हुई तेज बारिश से थोड़ा राहत जरूर मिली है। लेकिन, खेतों में पानी रुक न सका। किसानों का अनुमान है कि एक बार तेज बारिश हो जाए तो खेतों में पानी रुकेगा। लेकिन, शाम तक बादल छाए होने के बाद भी बारिश न होने से उनकी उम्मीदों पर पानी फिर गया। कृषि विशेषज्ञ आरके कनौजिया की माने तो बरसात का पानी धान की फसल के लिए काफी फायदेमंद है। लेकिन, दलहन और तिलहन की फसल को नुकसान पहुंचेगा। इसके लिए किसान खेतों में पानी न रुकने दे।

चरागाह की जमीन पर बोया धान, प्रशासन ने जोतवाया

रायबरेली.सदर तहसील के हैबतमऊ गांव में चरागाह की जमीन पर अवैध कब्जा करके धान बोया गया था। तहसील प्रशासन ने ट्रैक्टर से फसल जोतवाकर सुरक्षित जमीन कब्जा मुक्त करा ली। उक्त गांव के लोगों ने शिकायत की थी कि गाटा संख्या 238 में 2.93 हेक्टेयर भूमि चरागाह के लिए सुरक्षित है। जिसमें करीब तीन बीघा पर गांव के ही राकेश कुमार और राम प्यारे ने कब्जा कर रखा है। जिसमें दोनों ने धान बो रखा है। इस शिकायत पर तहसीलदार अमिता यादव ने कानूनगो रामकृष्ण पांडेय, लेखपाल कमलेश कुमार, अजय पटेल और देवेश पांडेय की टीम बनाकर जांच कराई। शिकायत सही मिलने पर खुद तहसीलदार गुरुवार को मौके पर गईं। उनकी मौजूदगी में धान की फसल पर ट्रैक्टर चलाया गया। तहसीलदार ने हिदायत दी कि दोबारा अगर सुरक्षित जमीन पर कब्जा किया तो मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक और डीसीएम की टक्कर में चार लोग घायल

रायबरेली - कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार को ट्रक और डीसीएम की टक्कर हो गई। इस हादसे में चार लोग जख्मी हुए। जिनमें से दो लोगों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सीमेंट की चादर लेकर एक ट्रक गुरुवार की सुबह प्रयागराज की तरफ जा रहा था। तभी सवैया तिराहा के निकट सामने से आए एक डीसीएम से ट्रक की भिड़ंत हो गई। इसमें मुरादाबाद जिले के निवासी ट्रक चालक विजय कुमार, क्लीनर गुलाम जिलानी और प्रतापगढ़ जिले का डीसीएम चालक पुष्पेंद्र घायल हो गए। साइकिल सवार क्षेत्र के बड़ी बाग मजरे सवैया हसन निवासी राम कुमार भी इसी हादसे में ट्रक की चपेट में आ गया था। जिससे वह भी जख्मी हो गया। सभी को सीएचसी ले जाया गया। जहां राम कुमार और विजय कुमार की हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

सम्पादकीय

जीवन के अधिकार को पुलिस का मोहताज मत बनाइए

उत्तर प्रदेश पुलिस ने आखिरकार एक डीएसपी समेत आठ पुलिसकर्मियों की हत्याओं के मास्टरमाइंड विकास दुबे का किस्सा खत्म कर दिया। मध्यप्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर से उसकी सरेंडर जैसी गिरफ्तारी को लेकर चर्चाएं अभी थमी भी नहीं थीं कि उसे वापस कानपुर ला रही उप्र पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स द्वारा उसे भौंती हाइवे पर एनकाउन्टर में ढेर कर दिया गया। इस फोर्स के अनुसार पुलिस की जिस गाड़ी में उसे लाया जा रहा था, दुर्घटनावश वह पलट गई तो विकास ने मौके का फायदा उठाकर एक सिपाही की पिस्तौल छीनकर भागना चाहा और जवाबी कार्रवाई में मारा गया। इस पुलिसिया कहानी में कई झोल हैं। सवाल भी कुछ कम नहीं। सामान्य समझ भी यही कहती है कि इस समय उसके सामने सबसे बड़ा लक्ष्य जान बचाने का था। सिपाही की पिस्तौल छीनकर फरार ही होना होता तो वह उज्जैन में सरेंडर जैसी गिरफ्तारी ही क्यों देता ? यह विश्वास करने के भी कारण हैं कि उसके मुखबिर पुलिस वालों ने उसे बता रखा हो कि अब पुलिस उसे किसी कीमत पर जिन्दा नहीं रहने देना चाहती। गिरफ्तारी के वक्त वह उसके बार-बार यह चिल्लाने का भी, कि मैं विकास दुबे कानपुर वाला हूं, उद्देश्य यह सार्वजनिक करना ही हो सकता है कि पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और अब उसकी जान की हिफाजत उसी का कर्तव्य है। उसकी मां को भी संतोष था कि इस गिरफ्तारी के बहाने वह अपनी जान बचा ले गया है। लेकिन यह संतोष बहुत कम उम्र सिद्ध हुआ। फिर विकास जैसे शातिर अपराधी के संदर्भ में, जिसके पास जायज और नाजायज हथियारों का बड़ा जखीरा बताया जाता रहा हो, ऐसे नाजुक वक्त में अपनी जान खतरे में डालकर एक सिपाही की पिस्तौल छीनने व भागने का जोखिम उठाना स्वाभाविक नहीं, हास्यास्पद ही लगता है। उसे पुलिस की ला रही गाड़ी के दुर्घटनाग्रस्त होने पर जायें तो इतना ही कहना काफी है कि एसटीएफने इससे पहले इसी भौंती हाइवे पर एक दिन पहले विकास के साथी प्रभात मिश्रा को मार गिराया तो भी उसकी गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया था और जब वह उसे बदलवाने में लगी थी तो विकास की ही तरह प्रभात भी एक पुलिस कर्मी की पिस्तौल छीनकर भागने के फेर में पड़ा व ढेर हुआ था। जहां तक एनकाउन्टर का सम्बन्ध है, वह पुलिस की ऐसी रचना है, जो संविधान के किसी प्रावधान में नहीं दिखती। इसीलिए जब भी पुलिस की हिरासत में किसी व्यक्ति की मौत होती है तो अनिवार्य रूप से उसकी मजिस्ट्रेटी जांच कराई जाती है। कह सकते हैं कि विकास के एनकाउंटर के लिए कानपुर का भौंती हाइवे सम्भवतरू इसीलिए चुना गया ताकि इस व्यवस्था के निर्वाह में भी पुलिस को कोई श्असुविधाश् न हो। यह एनकाउन्टर मध्यप्रदेश के क्षेत्र में होता तो उसकी मजिस्ट्रेटी जांच भी उसी राज्य के मजिस्ट्रेट को सौंपी जाती। हम जानते हैं कि मध्यप्रदेश की सरकार पर विकास की गिरफ्तारी प्रायोजित करने का आरोप है, जिससे साफहै कि उसकी नीयत में ऐसा कोई एनकाउन्टर नहीं था। उज्जैन पुलिस ने पुलिस हिरासत में लेकर उसे उत्तरप्रदेश पुलिस को इसलिए सौंपा क्योंकि जिस अपराध के सिलसिले में वह मोस्टवांटेड था, उसका स्थल मध्यप्रदेश सरकार के नियमन और नियंत्रण में नहीं था। उसकी गिरफ्तारी के बाद उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्रियों योगी आदित्यनाथ व शिवराज सिंह चौहान के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान और उन पर चर्चा भी हुई थी। कहा जाता है कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा उसे पकड़ने से योगी बहुत संतुष्ट नहीं थे। उन्हें इसके पीछे कोई षड्यन्त्र दिखाई दे रहा था। पूछताछ में विकास दुबे ने पुलिस को बता भी दिया था कि पुलिस में उसकी मदद उसके थाने चौबेपुर के प्रभारी व दरोगा, जिन्हें अब जेल भेज दिया गया है, और कुछ सिपाही ही नहीं कर रहे थे। इसके विपरीत उसके पीछे मददगार व शुभचिन्तक पुलिस कर्मियों का एक बड़ा काफिला था, जो उसकी हर संभव मदद को तत्पर रहता था। उसने यह भी स्वीकार किया था कि उसे पुलिस की कार्रवाइयों की खबर पुलिस का यह शुभचिन्तक वर्ग ही देता था। सवाल है कि कहीं पुलिस ने इससे घबराकर ही उसका अंत करने का निश्चय तो नहीं किया ताकि न रहे बांस न बजे बांसुरी ? बहरहाल, अब जब पुलिस ने उसका एनकाउन्टर कर ही डाला है तो आगे उसकी न्यायिक जांच वगैरह होती ही रहेगी, लेकिन जिस प्रमुख तत्व का जवाब तत्काल ढूंढा जाना जरूरी है, वह यह है कि क्या लोगों के जानमाल की रक्षा अब पुलिस की दया मात्र पर निर्भर करेगी ? किसी की जान लेने की निर्णायक शक्ति कहां केन्द्रित होगी, इस बाबत संविधान में स्पष्ट व्यवस्था है, जिसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। अगर इसके उल्लंघन की इजाजत दी गई और उसे आम करके लोगों की जीवन रक्षा को पुलिस की एनकाउन्टर की इच्छाओं पर आधारित कर दिया गया, तब तो संविधान ही निरर्थक और निरुद्देश्य हो जायेगा, जिसमें दण्ड देने का अधिकार पुलिस को नहीं न्यायपालिका को है। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से मिली जानकारियां बताती हैं कि भौंती हाइवे पर जहां पुलिस विकास के एनकाउंटर से पहले अपनी गाड़ी का दुर्घटनाग्रस्त होना बताती है, वहां ऐसी कोई दुर्घटना हुई ही नहीं। विकास की मां का भी आरोप है कि यह एनकाउंटर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशों की परिणति है, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि यह मामला न्यायालय तक पहुंचे और पुलिस को साक्ष्य उपलब्ध कराने पड़ें।

सोशल मीडिया में भारत-चीन रिश्त

भारत-चीन सीमा पर तनातनी और गलवान घाटी में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा 20 भारतीय जवानों की हत्या से दोनों देशों के आपसी संबंध पुनः ढलान पर हैं, जो 1962 के बाद सबसे निम्नतम बिंदु पर हैं. चीनी सैनिकों ने 20 अक्तूबर, 1975 को चार भारतीय सैनिकों की हत्या कर दी थी. उसके बाद यह हिंसा हुई है. तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की चीन यात्रा के बाद से परस्पर संबंधों में निरंतर सुधार आ रहा था, पर गलवान की घटना ने 30 साल की प्रगति पर एक तरह से पानी फेर दिया है. इस तनाव ने अब भारत के रणनीतिकारों और विश्लेषकों को श्वाशिंगटन सहमतिश् और श्बीजिंग सहमतिश् की कशमकश से मुक्त कर अमेरिका की तरफ ठेल दिया हैय वह भी तब, जब अमेरिका-चीन संबंध भी बेहद तनावपूर्ण स्थिति में हैं और विश्व एक नये शीत युद्ध के द्वार पर खड़ा है. इस माहौल में भारत गुटनिर्पेक्षता बारे में अब सोच भी नहीं सकता. दोनों देशों में सोशल मीडिया पर भारत-चीन सीमा विवाद एक गंभीर मुद्दा है बहस के लिए. वहां एक-दूसरे की कमियों का मजाक भी बनाया जाता हैं, किंतु डोकलाम गतिरोध की तुलना में इस बार सोशल मीडिया बहस काफी मायनों में भिन्न हैं. चीनी सोशल मीडिया योद्धाओं को व्यापक जानकारी ट्विटर और फेसबुक से मिल जाती है. हालांकि ये दोनों माध्यम चीन में प्रतिबंधित हैं, फिर भी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के द्वारा लोग इंटरनेट ग्रेट फायर वॉल को तोड़ कर इनका इस्तेमाल करते हैं. शुरुआती दिनों में चीन में इस तनाव से संबंधित बहुत कम ही सूचनाएं उपलब्ध थीं, तो चीनी लोग भारतीय मीडिया साइटों और ट्विटर से समाचारों को चीनी भाषा में अनुदित कर लेते थे. पैंगोंग त्सो के किनारे 5-6 मई के झगड़े में घायल भारतीय सैनिकों की तस्वीरें आयीं, तब वास्तविक जीवन के भारतीय सैनिकों और बॉलीवुड के रील लाइफसैनिकों की तुलनात्मक तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल किया गया. वेइबो, जिसे चीनी ट्विटर कहा जाता है, पर विंग कमांडर अभिनंदन के पाकिस्तान में हिरासत में होने की पुरानी तस्वीरें भी छायी रहीं. इस बार चीनी सोशल मीडिया पाकिस्तानी ट्विटर से ज्यादा प्रभावित रहा भारत विरोधी कंटेंट को लेकर. उदाहरण के लिए, पीएलए और पाकिस्तानी सेना का लद्दाख में दोपहर का भोजन करते फोटो, भारतीय वायु सेना की क्षमता का मजाक उड़ाना, सड़क पर झगड़ते दो लोगों में मोटे आदमी को चीन और कमजोर को भारत बताना. यूं कहें कि मेड इन पाकिस्तान जोक्स व मीम आदि सहज उपलब्ध हैं, जिनका इस्तेमाल चीनी सोशल मीडिया करता है. जब गलवान घाटी में मारे गये सैनिकों की तस्वीरें और नामों की सूची भारत के सोशल मीडिया में आने के साथ ही चीनी सोशल मीडिया पर भी छा गयी थीं, जिससे कई चीनी लोग चीन से सवाल पूछने लगे कि चीन कब अपने मारे गये सैनिकों की जानकारी देगा और उन्होंने अपने सगे-संबंधियों की सही-सलामत वापसी की कामना की. बिजली की गति से सर्वदलीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण को कांट-छांट कर और चीनी भाषा में अनुवाद कर सोशल मीडिया और समाचारों में प्रमुखता दी गयी. इस भाषण पर बाद में जो स्पष्टीकरण आया, उसको ज्यादा तवज्जो नहीं दी गयी. भारतीय ट्विटर स्पेस भी फर्जी खबरों से भरा रहा. जैसे, मृत चीनी सैनिकों की सूची, जो सच नहीं था. चीन अब पारंपरिक चीनी कैरेक्टर इस्तेमाल नहीं करता और इस सूची के कुछ लोग पहले ही मर चुके थे. इसके इतर, ताइवान से आया पोस्टर, जिसमें भगवान राम को ड्रैगन को मारते हुए दिख रहे हैं, सोशल मीडिया पर काफी वायरल किया गया. सोशल मीडिया युद्ध से तीन बातें स्पष्ट होती हैं. प्रथम, सूचना प्रौद्योगिकी के विकास और सोशल मीडिया ने स्थानीय संवादों को ग्लोबल रूप प्रदान किया हैं. द्वितीय, भारत-चीन सीमा विवाद अब केवल इन दो देशों के लोगों तक सीमित नहीं रहा. चीनी ने पाकिस्तान के भारत विरोधी भावनाओं को साझा किया, वहीं ताइवान ने भी भारत के प्रति एक तरह से संवेदना जाहिर करते हुए चीन को हारते हुए दिखाया. यह भावनाओं का आपस में साझा करना इन देशों के लोगों के निकट आने और साझे दुश्मन के विरुद्ध एकजुटता को प्रदर्शित करता है.

कानून को कटघरे में खड़ा करती एनकाउंटर के प्रति बढ़ती जनस्वीकृति

पाप से घृणा करो पापी से नहीं, जाने कब से कहा जाता रहा है। आधुनिक समाज मे पाप की जगह अपराध और पापी की जगह अपराधी ने ले ली और लोग कहने लगे अपराध से घृणा करो अपराधी से नहीं। हालांकि सनातन से लेकर आज तक कभी किसी ने न तो इसे आत्मसात किया और न ही स्वीकार। एक आदर्श वाक्य या उक्ति की तरह बस पीढ़ी दर पीढ़ी रटाया पढ़ाया जाता रहा। हम तो सदा से समरथ को नहीं दोस गोसाईं... को मानने वाले रहे हैं। समर्थ और प्रभावशाली के कुकृत्य भी हमें अपराध नहीं लगते और हम मन ही मन उस व्यक्ति से घृणा करते रहते हैं मगर उसकी खिलाफत करने का साहस नहीं कर जुटा पाते, एक तारणहार की राह देखते उसके तमाम अत्याचारों को, जिसे पाप कह लें या अपराध, सहन करते रहते हैं। बर्बर समाज में जीते हमारे दिलोदिमाग पर आंख के बदले आंख, हाथ के बदले हाथ और खून का बदला खून इस तरह बिठा दिया गया कि आज भी जब हम इस जंगली कानून को फलीभूत होते देखते हैं तो भीतर से आल्हादित हो उठते हैं। हमारे भीतर का जानवर संतुष्ट होता है। विकास दुबे प्रकरण कोई पहला नहीं है और न ही विकास दुबे कोई अंतिम नाम है। विकास दुबे हमारे समाज और व्यवस्था की विद्रूपता का ही एक नाम ही है जो राजनीति, पुलिस, प्रशासन और अपराध के अंतर्संबंधों के फैले मकड़ जाल का एक मोहरा मात्र है। आज इस खूनी खेल में विकास को खत्म कर इन संबंधों से परदा उठाने की संभावनाओं को भी खत्म कर दिया गया है। ये हमेशा से होता रहा है और आगे भी जारी रहेगा। सभी जानते रहे हैं विकास दुबे के काले और खौफनाक कारनामों की हकीकत। सभी जानते रहे कि वो पिछले 30 बरसों से पूरे तंत्र के संरक्षण में बेखौफ बेरोकटोक अपना साम्राज्य चला रहा था। जाने कितने बेगुनाहों की हत्याओं का आरोप था और जाने कितने संगीन अपराधों में संलग्न रहा। आखिर इतने सालों से वो कैसे बचा रहा और अपना वर्चस्व कायम रख सका ?ये सवाल भी अनुत्तरित नहीं है, हर शख्स इसका उत्तर जानता है बल्कि हर शख्स ही इसका उत्तर है। विगत 30 वर्षों में जाने कितने ही मासूम और निरअपराध लोगों की हत्या में संलग्न विकास दुबे और उसके जैसे असंख्य दुर्दांत अपराधी किस तरह अपने आप को बचाए रखते हैं यह लगभग सभी जानते हैं। राजनैतिक और पुलिस के संरक्षण और समर्थन के बिना कोई भी अपराधी अपना साम्राज्य नहीं चला सकता। इस मामले में भी यह खबर भी आम है कि विकास दुबे के घर दबिश से पहले उसके गांव में पुलिस के आने की सूचना भी उसे पुलिस में उसके उसके सूत्रों ने ही दी थी जिसके चलते कहा जा रहा है कि इतिहास में पहली बार सरकार ने पूरा थाना निलंबित कर लाइन अटैच कर दिया। यह हमारे लोकतंत्र में पुलिस, अपराधी और राजनीतिक संरक्षण की एक मिसाल है।आज अपराध, राजनीति, पुलिस और प्रशासन के सम्बन्ध इतने प्रगाढ़ होते गए हैं कि अब तो भेद कर पाना भी काफी मुश्किल होता जा रहा है। अब तो अपराध ही राजनीति का प्रवेशद्वार सा होता जा रहा है। इस खेल में जो सफल होकर राजनीति के किसी ऊंचे मकाम तक पहुंच जाता है वो अपने ओहदे और प्रभाव का इस्तेमाल कर पीछे अपनी राह के सारे आपराधिक दागों को संविधान की झाड़ू से धो-पोंछ डालता है। जिस समाज में दुर्दांत अपराधियों को राजनीतिक और सामाजिक संरक्षण प्राप्त हो वह समाज एक बीमार और भयाक्रांत समाज होता है। एक लोकतांत्रिक देश में किसी एनकाउंटर करने वालों का स्वागत फूलमाला और मिठाई से किया जाए तो संवेदनशील लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। हालांकि इन संवेदनशील लोगों को ट्रोल किया जाना , देशद्रोही तक करार देना भी आज का शगल हो गया है। हम एक ओर तो अमेरिका में एक अश्वेत के साथ पुलिस दुर्व्यवहार पर मुखर हो जाते हैं मगर अपने देश में पुलिस की बर्बरता और असंवैधानिक तरीकों पर चुप्पी साध लेते हैं बल्कि विकास दुबे जैसे अनगिनत एनकाउंटरों पर खुलकर समर्थन करते हैं।

दुनिया के थे राहत इंदौरी, सबको आए याद

लखनऊ। दुनिया के जाने-माने शायर राहत इंदौरी के निधन पर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सहित सभी दलों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। राहत इंदौरी को दुनिया का शायर बताते हुए उनकी गजलों को भी सोशल मीडिया पर साझा किया। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राहत इंदौरी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। अपने शोक संदेश में कहा कि राहत इंदौरी का निधन उर्दू साहित्य जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए परिजनों के प्रति गहरी संवेदना एवं सहानुभूति व्यक्त की। उत्तर प्रदेश उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट किया कि मशहूर शायर एवं कवि राहत इंदौरी के निधन का अत्यंत दुखद समाचार प्राप्त हुआ। उनका निधन साहित्य जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

यूपी के कोविड कमांड सेंटर को मरीजों के कॉल रिकॉर्ड व बेड का रखना होगा ब्यौरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एकीकृत कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) होम आइसोलेशन और नॉन कोविड अस्पताल में भर्ती मरीज के कोरोना संक्रमित हो जाने पर उन्हें कोविड-19 अस्पताल में भर्ती करवाने में और बेहतर ढंग से उनकी मदद करेगा। कई जिलों में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के सीधे लेवल थ्री और लेवल टू के अस्पतालों में पहुंचने की शिकायतें मिलने के बाद अब भर्ती व्यवस्था की और सख्त मानीटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। एकीकृत कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आइसीसीसी) अब मरीजों द्वारा की गई कॉल इलेक्ट्रानिक रूप से सुरक्षित रखेंगे। ताकि कोई भी अधिकारी कभी भी इसकी क्रास चेकिंग कर सकें। यही नहीं इन कंट्रोल सेंटर पर कोविड-19 के अस्पतालों के प्रधानाचार्यों, चिकित्सा

अधीक्षकों व इंचार्ज के शिफ्ट के अनुसार मोबाइल नंबर सहित पूरा ब्योरा रखेंगे। यही नहीं दिन में दो बार सुबह आठ बजे और शाम छह बजे कोविड अस्पतालों में खाली व भरे बेड की सूचनाएं एकत्र की जाएंगी। इसका मकसद कोरोना संक्रमित मरीज की काल आइसीसीसी को प्राप्त होने पर उसे तुरंत भर्ती करवाने का इंतजाम करवाया जा सके। अगर मरीज होम आइसोलेशन में है तो भी इस कंट्रोल सेंटर के माध्यम से उनका फीडबैक अनिवार्य रूप से लिया जाएगा।

अवैध कॉलोनी के निर्माण ढहाए

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने मंगलवार को तीन अवैध निर्माण सील किए। इसके अलावा मदेयगंज बांध रोड पर एक अवैध कॉलोनी के निर्माणों को ढहा दिया गया। एलडीए की संयुक्त सचिव ऋतु सुहास ने बताया कि मदेयगंज में जयपाल और राजू ने बिना एलडीए से लेआउट पास करवाए कॉलोनी विकसित की थी। जिसमें कुछ निर्माण भी करवाए गए थे। पिछले करीब तीन साल से प्रवर्तन का ये केस चल रहा था। एलडीए की टीम ने मंगलवार को ये अवैध निर्माण ढहा दिए गए। उन्होंने बताया कि इसके अलावा जोन-4 में एलडीए की टीम ने विकास नगर व प्राधिकरण पुलिस की मदद से महेश व उमेश चन्द्र गुप्ता एमएमएस- 2/40 सीतापुर रोड योजना में अवैध दुकानों को सील कर दिया।यहां लोवर ग्राउंड फ्लोर और अपर ग्राउंड फ्लोर पर बनाई गईं, सभी दुकानों को सील कर दिया गया है।

राजस्थान कांग्रेस पर मायावती का तंज

लखनऊ। राजस्थान में कांग्रेस की आंतरिक उठापटक पर तंज करते हुए बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि सरकार भले ही बच गई हो, लेकिन आगे न जाने कब पायलट और गहलोत का ड्रामा शुरू हो जाए। उन्होंने राजनीतिक अस्थिरता से कोरोना वायरस के संकट में राजस्थान की जनता को राहत दिलाने के लिए राज्यपाल से संवैधानिक दायित्व निभाने की मांग की। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को जारी बयान में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि वह बीएसपी के साथ दूसरी बार दगाबाजी करने के मामले को आसानी से नहीं छोड़ेंगी। बसपा के विधायकों को जिस प्रकार कांग्रेस में शामिल कराया है। इस मामले को सुप्रीम

कोर्ट तक ले जाएंगे। बता दें कि राजस्थान कांग्रेस में चल रहा सियासी घमासान फिलहाल थम गया है। महीनेभर से बगावती तेवर अपनाए बैठे सचिन पायलट अब हठ छोड़ कांग्रेस की राह चलने को तैयार हैं। राजस्थान विधानसभा सत्र से ठीक पहले हुए राजनीतिक घटनाक्रम में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को पायलट को बुलाकर सीधी बातचीत की।

लखनऊ में एक बच्ची समेत 12 की और मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस का प्रकोप जारी है। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को सबसे कम उम्र की एक वर्षीय बच्ची समेत 12 लोगों के मरने की पुष्टि की गई। वहीं, मंगलवार को 831 नए मरीज मिले व 413 मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी मिली। जुलाई की तुलना में अगस्त में यह पांच गुना तेजी से फैल रहा है। राजधानी में एक अगस्त को 363, दो को 391, तीन को 507, चार को 611, पांच को 336, छह को 664 और सात अगस्त को तो एक दिन में सर्वाधिक 707 मरीज दर्ज किए गए थे। वायरस अब अधिक आक्रामक है। सतर्क रहें। इसी से बचाव है। केजीएमयू में सआदतगंज निवासी 30 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें छह अगस्त को भर्ती कराया गया था। एक और मरीज की मौत हुई है। कोरोनों से मृतकों का आंकड़ा 149 पहुंच गया है। इसके अलावा सुल्तानपुर के कामतागंज निवासी 43 वर्षीय महिला, बेतिया चिरागपुर निवासी 65 वर्षीय महिला की भी केजीएमयू में सांसें उखड़ गईं। देवरिया के गौरा निवासी 57 वर्षीय पुरुष, जौनपुर शाहगंज निवासी 60 वर्षीय महिला की कोरोना वार्ड में मृत्यु हो गई हैं। सोमवार को कोषागार में तैनात एक कर्मी में कोरोना पॉजिटिव पाया गया। ऐसे में कलक्ट्रेट मंगलवार को बंद रहेगा। सरोजनी नगर प्रथम के वार्ड संख्या-चार के पार्षद रामनरेश रावत भी संक्रमित हो गए। अलीगंज में 23 व हसनगंज में 21 को वायरस ने अपना शिकार बनाया है। वहीं इंदिरा नगर में 18 नए मरीज मिले। यहां कुल मरीजों की संख्या 350 पार पहुंच गई है। गोमतीनगर में 29 ठाकुरगंज में 13, आलमबाग के 25, सआदतगंज में 13, चौक में 11, कैंट में 15, चौक में 17 लोग वायरस के शिकार हो गए हैं।

सेवानिवृत्त IAS एसपी सिंह गिरफ्तारी देने कोतवाली पहुंचे

लखनऊ। सेवानिवृत्त आइएएस सूर्य प्रताप सिंह मंगलवार को अपनी गिरफ्तारी देने हजरतगंज कोतवाली पहुंच गए। एसपी सिंह ने पुलिस पर बिना उनका बयान दर्ज किए उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि सरकार से सवाल पूछने पर उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज की गई, जो गलत है।

भाजपा ने गोरखपुर क्षेत्र के उपाध्यक्ष जयप्रकाश निषाद को बनाया राज्यसभा प्रत्याशी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने 24 अगस्त को होने वाले राज्यसभा के उप चुनाव में जयप्रकाश निषाद को अपना प्रत्याशी बनाया है। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा का यह उप चुनाव समाजवादी पार्टी के नेता बेनी प्रसाद वर्मा के निधन के कारण खाली सीट पर हो रहा है। जयप्रकाश निषाद गोरखपुर क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष हैं। जयप्रकाश निषाद पहले बहुजन समाज पार्टी में थे। जयप्रकाश निषाद पूर्व विधायक है। वह बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर 2012 में चौरीचौरा सीट से विधायक निर्वाचित

हुए थे। भाजपा ने जयप्रकाश निषाद को राज्यसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाकर पिछड़ों पर दांव लगाया है। जयप्रकाश निषाद का कार्यकाल पांच मई 2022 तक रहेगा।

लखनऊ के चारबाग स्टेशन पर लगी आग

लखनऊ. चारबाग रेलवे स्टेशन पर मंगलवार सुबह उस समय अफरातफरी मच गई, जब यहां लगे एक एटीएम में अचानक आग लग गई। आग स्टेशन को तेजी से पकड़ने लगी। करीब ढाई घंटे तक स्टेशन की बिजली काट दी गई। जीआरपी की सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची, जिसने आग पर काबू पाया। रेलवे ने मामले में जांच के आदेश दिए। देर शाम जांच रिपोर्ट डीआरएम संजय त्रिपाठी को सौंप दी गई। इसमें बैंक पर लापरवाही का आरोप लगाया गया है। चारबाग स्टेशन पर जीआरपी थाने के प्रवेश गेट के बगल में एटीएम कॉम्प्लेक्स है। इसमें इंडियन बैंक और पंजाब नेशनल बैंक का एटीएम लगा हुआ है। मंगलवार सुबह करीब 6:30 बजे इंडियन बैंक के एटीएम में आग लग गई, जिस समय यह आग लगी। उससे ठीक 30 मिनट पहले गोमती एक्सप्रेस इसी स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक से रवाना हुई थी।

लखीमपुर में फंदे में फंसकर बाघिन ने तोड़ा दम

लखीमपुर। मैलानी क्षेत्र की जटपुरा बीट के कंपार्टमेंट संख्या 13 अंतर्गत जंगल से सटे चारे के एक खेत में फंदा लगे एक बाघिन का शव सुबह आठ बजे मिला है। सूचना पाकर आनन.फानन में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। आशंका जताई जा रही कि बाघिन का शिकार हुआ है। बताया जा रहा बाघिन को फंदे में फंसाया गया है। जिसकी वजह से गर्दन में चोट के निशान मिले हैं। ये नहीं पता चल रहा कि चोट रस्सी में कसने से आई है या धारदार हथियार से। फिलहाल फंदा कसा हुआ मिला।

रेंजर केपी सिंह ने बताया कि हरदुआ निवासी अवतार सिंह पुत्र गुरमुख सिंह के खेत में सबसे पहले उसके नौकर ने बाघिन को देखा। महावीर का कहना है कि बाघिन ने उड़ पर हमला करने की कोशिश की। जिसके बाद शोर मचाते हुए वह भाग खड़ा हुआ। इसके कुछ देर बाद ही बाघिन की दर्दनाक मौत हो गई। इस पूरे मामले में वन

विभाग अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं बता पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बाघिन के गले में चोट वाले स्थान पर कीड़े पड़ गए हैं। ऐसा लग रहा कि बाघिन काफी पहले फंदे में फंस गई थी। जिसकी मौत आज हुई है। बाघिन की मौत की जानकारी होने पर किशनपुर सेंचुरी के वनाधिकारी भी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। वहीं इस घटना के बाद से एक बार फिर बाघों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। दुधवा टाइगर रिजर्व के अफसर भी मौके पर पहुंच रहे हैं और बरामद शव को आरवीआरआई बरेली ले जाने की तैयारी की जा रही है।

बिहार में बाढ़, कई ट्रेनें डायवर्ट

लखनऊ। पूर्व मध्य रेलवे के समस्तीपुर मंडल स्थित हायाघाट-थलवारा रेलवे स्टेशन के बीच बाढ़ का जलस्तर बढ़ने से कई ट्रेनें डायवर्ट कर दी गई हैं। जबकि, चार ट्रेनें रास्ते में टर्मिनेट व ओरिजिनेट की जाएंगी। इससे हजारों यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। 11 अगस्त को दरभंगा से प्रस्थान करने वाली 02565 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल दरभंगा-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलेगी।

गैस एजेंसी में कैशियर से लूट

शाहजहांपुर .क्षेत्र में पैना रोड पर इंडेन गैस एजेंसी का कार्यालय व गोदाम है। मंगलवार शाम एजेंसी का कैशियर एहसान हिसाब कर रहा था। इसी दौरान कुछ लोग नशे में तमंचे लेकर सीधे कार्यालय में आ गए। मारपीट और तोड़फोड़ करने के बाद 21 हजार रुपये लूट ले गए। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। कैशियर ने थाने में नामजद तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक जगनारायण पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

बारिश से बिजली आपूर्ति ठप

शाहजहांपुर.मंगलवार की बारिश बिजली आपूर्ति पर भारी पड़ी। बारिश शुरू होते ही शहर से लेकर गांव में बिजली गुल हो गई। पुर्वाह्न 11 बजे से शाम छह बजे तक बिजली संकट छाया रहा। बारिश के साथ तेज हवा चलने से पेड़ गिरने की वजह से लाइने क्षतिग्रस्त हो गई। शहर में बारिश के बाद 33 केवी बहादुरगंज बिजली घर को चालू करते ही फ्लैशओवर हो गया। इससे दर्जनों मुहल्लों की बिजली ठप हो गई। दो घंटे बाद बाद आपूर्ति सुचारू होने पर हुंडालखेल व विकास भवन फीडर की आपूर्ति ठप हो गई। 11 केवी गोविदगंज से निकला डीएम कंपाउंड फीडर भी बिजली संकट की चपेट में रहा। कैंट में पेड़ों के गिरने से छाया संकट शाम छह बजे दूर किया जा सका। अधिशासी अभियंता प्रशांत कुमार ने शहर में सात टीमें व्यवस्था में लगाई। अपराह्न दो से छह बजे के बीच अधिकांश फीडर चालू हो गए। विकास भवन व डीएम कंपाउंड का फीडर देर से चालू हो सका। विद्युत वितरण खंड प्रथम से निकले तीन प्रमुख फीडर लाइनों के डैमेज होने से बंद हो गए। 220 केवी पैना ग्रिड स्टेशन तथा अठसलिया बिजली घर के बीच पेड़ गिर जाने से लाइन टूट गई। इससे अठसलिया बिजली घर की बिजली गुल हो गई। करीब चार घंटे बाद आपूर्ति को सुचारू किया जा सका। निगोही टाउन फीडर इंसुलेटर की खराबी से बंद हो गया। कांट फीडर भी लाइन डैमेज में बंद रहा। उप खंड अधिकारी सतीश जायसवाल ने टीम के साथ शाम को आपूर्ति सुचारू करा दी।

कान्हा के जन्म पर झूमकर बरसे बदरा

शाहजहांपुर .कान्हा के जन्म पर आसमान में छाए बदरा झूमकर बरसे। धान समेत खरीफ की सभी फसलों के लिए बारिश संजीवनी साबित हुई है। अगस्त में अभी तक मात्र आठ मिमी बारिश थी। मंगलवार को 35.2 मिमी बारिश के साथ अगस्त का आंकड़ा 43.2 मिमी पर पहुंच गया। बादलों की वजह से अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री व न्यूनतम 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी डा. रोवित कुमार ने 12 व 13 अगस्त को जनपद में बिजली की गरज व चमक के साथ सभी ब्लॉकों में अच्छी बारिश के संकेत दिए है। बताया कि कि दोनों दिनों में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के मध्य तथा न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के करीब रहेगा। आ ?र्द्रता सुबह के समय 90 से 95 फीसद के बीच एवं दोपहर के समय आ ?र्द्रता 60 से 75 फीसद के बीच रहने का अनुमान है। हवा की दिशा पूर्वी दक्षिण पूर्वी एवं गति 13 से 17 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की सम्भावना है। उन्होंने बताया कि बारिश से जमीन नम हो गई है। हवा भी चल रही है। इससे गन्ना की फसल गिर सकती है।

घर में चल रही थी शस्त्र फैक्ट्री

शाहजहांपुर .कांट क्षेत्र के लिल्थरा गांव में सोमवार देर रात कुर्रिया कला चौकी प्रभारी मेहर चंद्र सिंह ने टीम के साथ रामबरन के घर छापा मारकर रामबरन सिंह व रामेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया। जबकि क्षेत्र के करमौरी गांव निवासी आरोपित आशाराम फरार हो गया। घर में अवैध शस्त्र बनाने की फैक्ट्री संचालित हो रही थी। मौके पर तीन तमंचा, दो देशी बंदूक, तीन अधबने तमंचा, 12 कारतूस के खोखे व शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद हुए। रामबरन की लाइसेंसी रायफल भी पुलिस ने बरामद कर ली है। आरोपितों ने बताया कि तमंचा व बंदूक बनाकर हरदोई के आसपास के गांवों में बेचते थे। आरोपितों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। एसपी एस आनंद ने बताया कि बरामद रायफल का लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। अवैध शस्त्र बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होती रहेगी।

अब बीट का सिपाही होगा अपने क्षेत्र का कप्तान

बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अमेठी पुलिस ने बड़े बदलाव की योजना बनाई है। बीट के सिपाही को अब थानेदार चाहकर भी नजर अंदाज नहीं कर सकेंगे। बीट का सिपाही ही अपनी बीट में होने वाली हर घटना व गुडवर्क के लिए अब सीधे जिम्मेदार होगा। उसे हर दिन अपनी बीट में घटित होने वाली घटनाओं का पूरा लेखा-जोखा तैयार करना होगा। थाना, चौकी पर अब पुलिस की मनमानी नहीं चलेगी। पब्लिक-पुलिस रिलेशनशिप को मिलेगी मजबूती ▫ पब्लिक-पुलिस रिलेशनशिप को मजबूत करने के लिए कप्तान ने एक अभिनव प्रयोग करने का खाका तैयार किया है। योजना के तहत पुलिस अपराध से लड़ाई में जनता का भरपूर सहयोग लेगी और उनकी हर बात को गंभीरता से सुनेगी। सुनने के साथ ही बीट का सिपाही उसे जिम्मेदारों तक लिखित तौर पर पहुंचाएंगा। कुछ ऐसे

रुकेगा अपराध -छोटी-छोटी घटनाओं पर भी सर्तकता के साथ कार्रवाई होगी। -बड़े व छोटे अपराधियों की गतिविधियों पर निगाह रहेगी। -जनता-पुलिस संगोष्ठी के माध्यम से लोगों को नजदीक लाने का प्रयास किया जाएगा। -हर बड़े अपराधी पर एक सब इंस्पेक्टर और छोटे अपराधियों पर एक पुलिस कर्मी नजर रखेगा। -अपराधीवार पुलिस कर्मियों की जवाबदेही तय होगी। -अब हर तरह के मामलों का बनेगा रिकार्ड, दूसरों पर जिम्मेदारी डालने की चलन से मिलेगा छुटकारा। बढ़ेगा पुलिस का इकबाल ▫ देखा ये जाता है कि बड़ी घटनाओं के पीछे पुराने अपराधियों का हाथ होता है या फिर पुलिस की अनदेखी से छोटी-छोटी घटनाएं बड़ी वारदात का शक्ल अख्तियार कर लेती है। बीट के सिपाही की सीधी जबावदेही तय होने पर जब हर स्तर पर काम होगा तो पुलिस का इकबाल भी बुलंद होगा। जिम्मेदार के बोल ▫ एसपी दिनेश सिंह ने बताया कि जिले को अपराध मुक्त करने का लक्ष्य है। हर छोटी से छोटी घटना अब रिकार्ड में होगी। इसके लिए बीट के सिपाही को अब उसके क्षेत्र में कप्तान के बराबर अधिकार होगा। अब हर सूचना ऊपर तक आयेगी। बीट परिवर्तन अब बिना एएसपी के अनुमोदन के नहीं होगा।

छह संक्रमितों ने दिया फर्जी नाम, पता व नंबर

अमेठी.जिले के छह कोरोना संक्रमित मरीजों के बताए गए पते पर जब कर्मचारी पहुंचे तो वह फर्जी निकले। जांच के समय दिए गए पता, नाम व मोबाइल नंबर के नहीं मिलने से परेशान प्रशासन सभी की खोज में लगा हुआ है। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने व्यापारियों के साथ आम जन से भी संक्रमण को बढ़ने से रोकने और गायब हुए छह मरीजों की तलाश में सहयोग की अपील की है। गुरुवार देर शाम चार, पांच व छह अगस्त को लिए गए सैंपल में 476 की रिपोर्ट आई। जिसमें 452 की रिपोर्ट निगेटिव व 24 की पॉजिटिव आई। पॉजिटिव रिपोर्ट वाले मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने व उस मोहल्ले को सील करने जब टीम पहुंची तो गौरीगंज शहर के सभी छह संक्रमित मरीजों के नाम, पता व मोबाइल नंबर

सब फर्जी मिला। टीम ने सूचना उच्चाधिकारियों को दी तो पूरा सिस्टम ही हरकत में आ गया। जिलाधिकारी ने फर्जी नाम, पता वाले संक्रमितों की तलाश का आदेश दिया और एक साथ कई टीमों को लगाया गया। शाम तक संकमितों का पता नहीं चलने पर व्यापारियों के साथ ही आम जन से गायब हुए संक्रमितों की तलाश में मदद मांगी गई। मामला शहर से जुड़ा होने के चलते व्यापार मंडल से सहयोग की अपील की गई है। वहीं जिलाधिकारी ने गायब हुए संक्रमितों को भी शीघ्रता से सामने आने का आदेश देते हुए कहाकि यह लापरवाही किसी भी सूरत में सही नहीं है।

जमीन विवाद के चलते बढ़ रहा अपराध

जमीनी रार को खत्म करने की तमाम समाधान की कोशिशें नफरत, गुस्सा व तनाव के मजबूत गठजोड़ के आगे बेबश हैं। मामूली जमीनी विवाद में तिल का ताड़ बनाकर अपनों का ही खून बहाया जा रहा है। गुरुवार को हद तो तब हो गई। जब बाजार शुकुल के गांव दो लोगों के जमीनी विवाद में बीच-बचाव को दौड़े अधेड़ को ही पीटकर मार डाला गया। पिछले कुछ महीनों में हुए खून खराबे की घटनाओं के पीछे लंबी पड़ताल के बाद एक चौकाने वाला सच भी सामने आया है। हर छोटी-बड़ी बात में घर के छोटों या यह कहें की बच्चों की दखल बनती बात को बिगाड़ने की वजह बन रही हैं।

चलाया जा रहा भूमि विवाद निस्तारण अभियान ▫ जिले में भूमि विवाद के चलते होने वाले खून खराबे को रोकने के लिए जिलाधिकारी की पहल पर भूमि विवाद निस्तारण के लिए 15 दिन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें अब तक पांच सौ से अधिक मामले मौके पर पहुंच टीमों द्वारा सुलझाए जा चुके हैं। राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमें लगातार मामलों को सुलझाने में लगी हुई हैं। खुद को भी होना होगा सजग ▫ किसान नेता प्रमोद मिश्र का कत्ल, सैनिक के पिता की हत्या, राजधानी में मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर आत्मदाह का प्रयास जैसी घटनाओं ने सिस्टम पर सवाल खड़े किए। पड़ताल में विवाद मामूली ही निकलें और वारदातों को अंजाम देने वाले सलाखों के पीछे हैं। थोड़ी समझ व सजगता से इन घटनाओं को रोका जा सकता था। जो हो गया, सो हो गया अब से चेत जाय तो बड़ी बात होगी। हीला हवाली व गुमराह करने की प्रवित्त बढ़ाती है तनाव ▫ हर वारदात में एक और बात साफ हो कर बाहर आती है। वह है राजस्व व पुलिस के कर्मचारियों द्वारा जांच के नाम पर मामलों को उलझाने की प्रवित्त व हीला हवाली। शिकायत के साथ अगर कार्रवाई शुरू हो जाय तो मामूली विवाद शायद ही बड़ी घटना की शक्ल अख्तियार करें।

रवींद्र जडेजा की पत्नी को बिना मास्क पकड़ा

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को पत्नी रिवाबा जडेजा और पारिवारिक मित्रों के साथ एक कार में जाते समय पुलिस ने उन्हें रोक लिया था। जाडेजा कार चला रहे थे, उनके मुंह पर मास्क था, लेकिन पत्नी रिवाबा ने मास्क नहीं पहन रखा था। इसी बात को लेकर उनकी महिला पुलिस कांस्टेबल के साथ जोरदार बहस हो गई। इसी दौरान रिवाबा का ब्लड प्रेशर बढ गया, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। क्रिकेटर रवींद्र जडेजा पत्नी रिवाबा व तीन अन्य मित्रों के साथ कार में सवार होकर कहीं जा रहे थे। राजकोट के किशनपरा चौक पर महिला पुलिसकर्मी सोनल गणेश्वरी ने उन्हें रोक कर मास्क नहीं

पहनने के लिए जुर्माना भरने को कहा तो रिवाबा भडक गईं और महिला पुलिसकर्मी से जोरदार बहस करने लगीं। इसी बहस के दौरान उनका रक्तचाप(ब्लड प्रेशर) बढ़ गया और वे बेहोश हो गईं। उपचार के लिए उन्हें नजदीक के अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज हुआ।

IPL 2020 की सुविधाओं का जायजा लेने के लिए UAE जाएगी BCCI के अधिकारी

दुबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (क्चष्टष्टढ्ढ) अधिकारियों के एक शीर्ष प्रतिनिधिमंडल के अगस्त के तीसरे सप्ताह तक दुबई में पहुंचने की उम्मीद है, जो संयुक्त अरब अमीरात (८ ्श्व) में इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) के 13वें सीजन की मेजबानी की तैयारियों की जायजा लेगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण बीसीसीआइ ने आइपीएल 2020 की मेजबानी यूएई को सौंप दी है। आइपीएल का ये संस्करण 19 सितंबर से शुरू होगा, जबकि फाइनल मुकाबला 10 नवंबर को खेला जाएगा। बीसीसीआइ ने आइपीएल का आयोजन अबू धाबी, दुबई और शारजाह में कराने का फैसला किया है। इन्हीं तीन स्थानों की सुविधाओं का जायजा लेने के लिए बीसीसीआइ अधिकारी यूएई जाएंगे। गल्फ टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक,

बीसीसीआइ की टीम में आइपीएल के चेयरमैन बृजेश पटेल, हेमांग अमीन, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के अंतरिम सीईओ और आइपीएल के सीओओ शामिल होंगे। इन सभी अधिकारियों को स्टेडियम और अन्य सुविधाओं का जायजा लेने से पहले अपने होटल के कमरों में छह दिनों के लिए क्वारंटाइन होना पड़ेगा।

मनोज तिवारी ने सुशांत सिंह राजपूत मामले में किया जबरदस्त ट्वीट

नई दिल्ली। भारतीय फिल्म जगत के युवा अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन से ना सिर्फ उनके फैंस बल्कि अन्य भारतीय को भी काफी दुख हुआ। सुशांत सिंह राजपूत ने लगभग दो महीने पहले आत्महत्या की थी, लेकिन इसके पीछे की सच्चाई क्या है इसका पता लगाने के लिए सीबीआई को जांच सौंप दी गई है और इस मामले में जुड़े लोगों को पूछताछ चल रही है। इस मामले में सुशांत के पिता ने उनकी कथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती के खिलाफ एफआरआई दर्ज कराई थी और पूरे देश में हर तरफ इस पर चर्चा जारी है। इन सारी चर्चाओं के बीच भारतीय क्रिकेटर मनोज तिवारी ने भी इस पर अपनी राय दी है। 34 साल के मनोज तिवारी ने एक ट्वीट किया है और कुछ संदेश लिखे हैं। हालांकि इसमें उन्होंने किसी का ना तो नाम लिखा है और ना ही किसी के बारे में जिक्र किया है, लेकिन उन्होंने जो लिखा वो काफी कुछ किसी की तरफ इशारा कर रही है। यही नहीं मनोज तिवारी ने इस मामले में क्रिकेटरों की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए हैं।

मनोज भी चाहते हैं कि जो भी सच्चाई है वो सामने आए और अगर इस मामले में अगर कोई गुनहगार है तो उसे सजा मिले। मनोज ने अपने ट्विटर अकाउंड की डीपी पर भी सुशांत की तस्वीर लगा रखी है। मनोज तिवारी ने जो ट्वीट किया है उसमें लिखा है कि- ये सभी लालची लोगों के लिए। इसे नीचे तक पढ़ो। पैसा सिर्फ आलसी लड़कियों को प्रभावित करता है। जब कोई महिला कड़ी मेहनत करती है तो पैसे वाला आदमी एक बोनस होता है ना कि आगे बढ़ने की सीढ़ी।

ICC बोर्ड बैठक रही बेनतीजा

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) निदेशकों के बोर्ड की बैठक सोमवार को बेनतीजा खत्म हो गई। इसमें शशांक मनोहर के बाद अगले चेयरमैन को लेकर सर्वसम्मति नहीं बन सकी। ऐसी उम्मीद की जा रही थी इस बैठक में इस अहम पद के लिए नामांकन की प्रकिया पूरी हो जाएगी। सोमवार की बैठक का एक ही एजेंडा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया को अंतिम रूप देना था, लेकिन सर्वसम्मति से उम्मीदवार चुनने को लेकर कोई कामयाबी नहीं मिल सकी।

बांग्लादेश टीम के पूर्व स्पिनर मुशर्रफ हुसैन को हुआ कोरोना

ढाका। बांग्लादेश के बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर मुशर्रफ हुसैन रुबेल (**Mosharraf Hossain Rubel**) को कोरोना वायरस टेस्ट में पॉजिटिव पाया गया है। पांच वनडे मैचों में बांग्लादेश की क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले मुशर्रफ हुसैन को पिछले साल ब्रेन ट्यूमर होने का भी पता चला था। इस तरह मुशर्रफ हुसैन रुबेल के ऊपर ये दूसरा बड़ा पहाड़ टूटा है। हालांकि, उनका कहना है कि उनकी तबीयत फिलहाल ठीक है।

रविवार को कोविड-19 टेस्ट का नतीजा आने के बाद हुसैन अपने घर में ही क्वारंटाइन से गुजर रहे हैं। द डेली स्टार ने हुसैन के हवाले से कहा है, मेरे पिता इससे पहले कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे और उन्हें सीएमएच अस्पताल में आइसीयू में भर्ती कराया गया था। बाद में मैंने भी कुछ लक्षणों का अनुभव किया और कोरोना वायरस पॉजिटिव पाया गया। मैं अब तक ठीक हूं और घर में क्वारंटाइन से गुजर रहा हूं।

हालांकि, मेरी पत्नी और बच्चे निगेटिव पाए गए हैं। 38 वर्षीय मुशर्रफ हुसैन ने कहा है, मैंने अपनी पत्नी और बच्चे को अपने ससुर के घर भेज दिया है। मैं ढाका में अपने घर में आइसोलेशन में हूं। मैं सभी से प्रार्थना करने की कामना करता हूं कि वे जल्दी ठीक हो जाएं। आखिरी बार फरवरी 2019 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के बाद रुबेल आगामी घरेलू सत्र के लिए अपनी वापसी करने के लिए तैयार थे, लेकिन उनको ट्यूमर हो गया था। उन्होंने आखिरी बार अक्टूबर 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला।

Vivo के बाद अब IPL से हो सकती है दो और बड़ी कंपनियों की छुट्टी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में चीनी स्पांसरशिप विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा है। वीवो के कदम पीछे हटाने के बाद भी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पर चीनी लिंक वाली भारतीय कंपनियों को भी स्पांसरशिप से हटाने का दबाव बन रहा है। स्वदेशी जागरण मंच चाहती है कि बीसीसीआइ आइपीएल के केंद्रीय प्रायोजक और भारतीय प्रायोजक जैसे पेटीएम, ड्रीम 11, बायजूस और अन्य कंपनियों को भी हटाए, जिन्हें चीनी कंपनी फंड करती हैं। स्वदेशी जागरण मंच ने चीन छोड़ो अभियान की शुरुआत की है और वह चीनी लिंक वाले सभी आइपीएल प्रायोजकों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। रिपोर्ट की मानें तो स्वदेशी जागरण मंच के लिए बीसीसीआइ ही बड़ा लक्ष्य है। मंच के वरिष्ठ कार्यकर्ता धनंजय भिडे ने कहा कि यह अभियान आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा देने के लिए है और वह इससे कड़ा संदेश देना चाहते हैं कि चीन से जुड़ाव रखना भारी पड़ेगा। भिडे ने कहा कि क्रिकेट को आत्मनिर्भर भारत या चीनी पैसा लगे प्रायोजक में से किसी एक को चुनना ही होगा।

LPL की टीमों के नाम आए सामने,

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने एक नई टी20 लीग की शुरुआत करने का फैसला किया है। श्रीलंका में लंका प्रीमियर लीग के नाम से इसका पहला सीजन 2020 में ही खेला जाना है, जिसके लिए बोर्ड ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इससे पहले भी श्रीलंका में टी20 लीग खेली गई हैं, लेकिन एक या दो सीजन के बाद उनको बंद करना पड़ा है, क्योंकि उनको ज्यादा लाइमलाइट नहीं मिल सकी थी। हालांकि, इस बार बोर्ड ने विदेशी खिलाड़ियों को भी इस लीग के लिए अप्रोच किया है।

Virat Kohil दुनिया के सबसे पॉपुलर खिलाड़ी, MS Dhoni और Rohit Sharma को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली की लोकप्रियता का कोई जोड़ नहीं है, यह एक बार फिर से साबित हो गया है। एक अध्ययन में साबित हुआ है कि 31 साल के कोहली दुनिया के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ी हैं। साथ ही, अध्ययन में भारतीय टीम भी सबसे लोकप्रिय टीम के रूप में उभरकर सामने आई है। यह अध्ययन एसईएमरश नाम की संस्था ने किया है। इसमें सबसे हैरानी की बात यह रही कि ऑनलाइन सर्च के मामले में भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने टीम इंडिया के कई बड़े पुरुष क्रिकेटरों को पीछे छोड़ दिया। इस अध्ययन में पता चला कि कोहली को जनवरी से लेकर जून तक हर महीने औसतन 16.2 लाख बार ऑनलाइन सर्च किया गया, जबकि टीम इंडिया को हर महीने औसतन 2.4 लाख बार सर्च किया गया। कुल मिलाकर कोहली को इस अवधि में गूगल पर 96 लाख बार सर्च किया गया। ऑनलाइन सर्च में शीर्ष-10 में शामिल होने वाले अन्य खिलाड़ियों में रोहित शर्मा, महेंद्र सिंह धौनी, जॉर्ज मैके, जोश रिच ?ईस, हार्दिक पांड्या, सचिन तेंदुलकर, क्रिस मैथ्यूज और श्रेयस अय्यर रहे। साल 2020 में जनवरी से जून तक प्रत्येक क्रिकेटर को क्रमशः औसतन 9.7, 9.4, 9.1, 7.1, 6.7, 5.4, 4.1 और 3.4 लाख बार सर्च किया गया।

IPL की वजह से कुछ खिलाड़ी नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (**BCCI**) सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के साथ 19 नवंबर की संभावित तारीख के साथ घरेलू सत्र शुरू करने की योजना बना रहा है। आइपीएल की विभिन्न टीमों से खेलने वाले भारतीय खिलाड़ी क्वारंटाइन से जुड़े नियमों के कारण कुछ शुरुआती दौर के मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। कोरोना वायरस महामारी के कारण घरेलू सत्र में विलंब का मतलब है कि सिर्फ मुश्ताक अली ट्रॉफी और रणजी ट्रॉफी का आयोजन हो पाएगा, जिसमें 38 टीमें दोनों प्रारूपों में मिलाकर 245 मैच खेलेंगी। इस साल विजय हजारे ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी या चैलेंजर ट्रॉफी का आयोजन नहीं होगा और अब तक के कार्यक्रम के अनुसार ईरानी कप को लेकर भी कोई योजना नहीं है। बीसीसीआइ के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, यह अस्थायी सूची है जिसे तैयार किया गया है और इसे स्वीकृति के लिए अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के पास भेजा गया है। आइपीएल खेलकर लौटने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नियमों के अनुसार 14 दिन तक क्वारंटाइन में रहना होगा। अधिकारी ने कहा, यह मुद्दा मुख्य रूप से उन खिलाड़ियों के साथ है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेले हैं और टीम के साथ हैं तथा कुछ क्रिकेट खेलना चाहते हैं।

कब रिलीज़ होगी अमेज़न प्राइम वीडियो की वेब सीरीज़ मिर्जापुर 2 ?

नई दिल्ली। अमेज़न प्राइम वीडियो की फ्लैगशिप वेब सीरीज़ मिर्ज़ापुर के दूसरे सीज़न की रिलीज़ डेट को लेकर फैंस लगातार सवाल पूछ रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें, तो अब तक इस वेब सीरीज़ को रिलीज़ कर दिया जाना चाहिए था, लेकिन कोरोना वायरस के वज़ह से इसमें देरी हो रही है। साल की शुरुआत में अमेज़न प्राइम वीडियो ने 2020 में रिलीज़ होने वाली वेब सीरीज़ की लिस्ट जारी की थी। इसमें अमेज़न प्राइम वीडियो ने पंकज त्रिपाठी और अली फ़ज़ल जैसे स्टार्स से सज़ी वेब सीरीज़ मिर्ज़ापुर के दूसरे सीज़न को भी शामिल किया था। अब इस वेब सीरीज़ की नई रिलीज़ डेट की चर्चा हो रही है।

ऑफ़िसर के लुक में नज़र आएंगी स्वरा भास्कर

नई दिल्ली। स्वरा भास्कर पिछले कुछ समय से लगातार ओटीटी पर सक्रिय हैं। एक के बाद एक वह नई वेब सीरीज़ के साथ नज़र आ रही हैं। हाल ही में वह अमेज़न प्राइम वीडियो की वेब सीरीज़ रसभरीसे चर्चा में आईं। इसके बाद वह अब इरोस नाउ की ओरिजिनल क्राइम ड्रामा %फ्लेशमें बतौर लीड एक्ट्रेस नज़र आने वाली हैं। इस वेब सीरीज़ का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि स्वरा भास्कर एक महिला पुलिस ऑफ़िसर राधा नौटियाल का किरदार निभा रही हैं। इसका मकसद है कि ह्यूमन ट्रैफकिंग को ख़त्म करना। ट्रेलर में एक डायलॉग है, जिसमें राधा कहती है, मेरे दिल करता है कि सारे रैकेट चलाने वालों को बीच पर नगा खड़ी करूं और गोली मार दूं। इन सबके बीच एक एनआरआई लड़की का अपहरण हो जाता है। इसके बाद उसके परिवार के लोग राधा से संपर्क करते हैं कि वह उनकी मदद करें। इस केस को क्या राधा सॉल्व कर पाती है.

Sadak 2 को लेकर सोशल मीडिया पर मचा घमासान

नई दिल्ली। डिज़्नी प्लस हॉटस्टार ने कुछ सयम पहले ही 7 बड़ी फ़िल्मों को अपने प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज़ करने की घोषणा की थी। अब तक इस लिस्ट में से सुशांत सिंह राजपूत स्टारर दिल बेचारा और कुणाल खेमू स्टारर लूटकेस रिलीज़ हो चुकी है। अब बारी है संजय दत्त, आलिया भट्ट और आदित्य रॉय कपूर स्टारर फ़िल्म सड़क 2 की। इस फ़िल्म की रिलीज़ से पहले सोशल मीडिया पर घमासान मच गया है। कुछ लोग हॉटस्टार के बायकॉट की अपील कर रहे हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं, जो हॉटस्टार के समर्थन में आ गए हैं। सबसे पहले सड़क 2 के ट्रेलर रिलीज़ से पहले कुछ सोशल मीडिया यूज़र्स फ़िल्म का विरोध करने लगे। उन्होंने हॉटस्टार पर दबाव बढ़ाते हुए कहा कि अगर सड़क 2 को रिलीज़ करते हैं, तो हॉटस्टार को डिलिट कर देंगे। बात यूं हैं कि सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से लगातार आलिया भट्ट और महेश भट्ट को ट्रोल किया जा रहा है। महेश भट्ट की कुछ तस्वीरें भी वायरल भी हुईं थी, जिसमें वह रिया के साथ नज़र आ रहे थे। इसके बाद दोनों को लगातार ट्रोल्स के निशाने पर हैं। वहीं, सड़क 2 में आलिया भट्ट बतौर एक्ट्रेस और महेश भट्ट बतौर मेकर जुड़े हुए हैं।

भिड़ेंगी ये दो बड़ी वेब सीरीज

नई दिल्ली। कोरोना काल में सिनेमाघर बंद हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि टक्कर बंद हो गई है। अब ओटीटी प्लेटफार्म्स की बीच होड़ देखने को मिलती है। अगस्त के दूसरे सप्ताह में एक फ़िल्म टक्कर दो वेब सीरीज़ों से होने वाली हैं। यह मामला नेटफ्लिक्स बनाम अन्य बनने वाला है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हो रही गुंजन सक्सेना के सामने के सामने ज़ी-5 और एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज़ खड़ी हैं। आइए जानते हैं...

गुंजन सक्सेना- जाह्नवी कपूर

और पंकज त्रिपाठी जैसे स्टार्स से सजी फ़िल्म गुंजन सक्सेना 12 अगस्त को रिलीज़ हो रही है। कारगिल गर्ल के नाम से फेमस गुंजन सक्सेना के जीवन पर आधारित इस फ़िल्म को पहले थिएटर्स में रिलीज़ किया जाना था। हालांकि, अब इसे सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ किया जा रहा है। फ़िल्म के ट्रेलर को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, अब देखना है कि फ़िल्म दर्शकों को कितना पसंद आती है।

IPS के बदले की कहानी से बॉबी देओल का डिजिटल वर्ल्ड में धमाकेदार डेब्यू

नई दिल्ली। बॉलीवुड में पुलिस को केंद्र में रखकर तमाम फ़िल्में बनायी गयी हैं, जिनमें से कुछ ने कामयाबी के नए कीर्तिमान स्थापित किये। दबंग और सिंघम जैसी लोकप्रिय और सफल फ्रेंचाइजी पुलिस अफ़सरों और विभाग की कार्यप्रणाली को अलग-अलग अंदाज़ में दिखाती हैं। मगर, बॉबी देओल की क्लास ऑफ़ 83 इन सभी से बिल्कुल अलग मिज़ाज की फ़िल्म है, क्योंकि इसमें एक आईपीएस ऑफ़िसर भ्रष्ट सिस्टम से लड़ेगा, मगर उसकी शुरुआत पुलिस ट्रेनिंग अकादमी से होगी। फ़िल्म में बॉबी पुलिस अकादमी के डीन विजय सिंह के रोल में हैं। बॉबी का यह डिजिटल डेब्यू है और शुक्रवार को इसका ट्रेलर रिलीज़ कर दिया गया है। क्लास ऑफ़ 83 पीरियड फ़िल्म है, जिसकी कहानी एस हुसैन ज़ैदी के नॉवल से ली गयी है, जो मुंबई पुलिस के वास्तविक अफ़सरों से

प्रेरित है। यह एक आईपीएस अफ़सर डीन विजय सिंह की कहानी है, जिसे सज़ा के तौर पर पुलिस अकादमी में पोस्टिंग दे दी जाती है, जहां यह भ्रष्ट नौकरशाही और अपराधियों की साठगांठ को तोड़ने के लिए पांच पुलिस अफ़सरों को एनकाउंटर स्पेशलिस्ट बनने की ट्रेनिंग देता है।

Sanjay Dutt के लिए अनुपम खेर ने लिखा महामृत्युंजय मंत्र

नई दिल्ली। संजय दत्त के जल्द सेहतमंद होने के लिए सोशल मीडिया में दुआओं और प्रार्थनाओं का सिलसिला जारी है। संजय ने मंगलवार को मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए ब्रेक लेने का एलान किया था। उनके अचानक किये इस एलान से फैंस के बीच खलबली मच गयी थी। हालांकि संजय या उनके परिवार की ओर से इस बात का खुलासा नहीं किया है कि वो किस तरह का मेडिकल ट्रीटमेंट लेने जा रहे हैं, पर रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय किसी गंभीर बीमारी की चपेट में हैं। संजय ने ट्विटर पर अपनी पोस्ट में भी फैंस और शुभचिंतकों से किसी तरह की कयासबाज़ी करने से बचने की गुज़ारिश की थी। संजय के साथ कई फ़िल्मों में काम कर चुके अनुपम खेर ने ट्विटर पर लिखा- मेरे प्यार दोस्त संजय। मेरी प्रभु से प्रार्थना है कि आप शीघ्र ही पूर्ण रूप से स्वस्थ हों। इसके साथ अनुपम ने संजय की सेहतमंदी के लिए महामृत्युंजय मंत्र भी लिखा। वेटरन फ़िल्ममेकर सुभाष घई ने टाइम्स ऑफ़ इंडिया से बातचीत में संजय को फाइटर बताया। उन्होंने कहा- वो बहुत मजबूत फाइटर हैं। वो निश्चित रूप से इससे बाहर निकल जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अली हसन द्वारा सीता आफसेट हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित एवं 67/63 लालकुआं लखनऊ प्रकाशित।
सम्पादक : अली हसन
मो नं.-8604223368
RNI No. UPHIN/2010/33668
Email Id. andazelucknow@gmail.com
उप सम्पादक: मनीष कुमार सच्चिदानंद
ब्यूरो चीफ : राहुल शुक्ला,
छायाकार : सदफ हसन (शानू)
समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायलय के अधीन होगा।